Pre-Placement Offers Hint at IIT Hiring Pick-Up

**Newspaper Clips**

**August 29, 2012**

**Economist Times Hyderabad 28-09-2012**

**P-1**

**BELIES TALK OF AN ECONOMIC SLUMP**

**Salary Levels Have Not Been Muted**

---

**Pre-Placement Offers Hint at IIT Hiring Pick-Up**

**Fishing in Talent Pool**

<table>
<thead>
<tr>
<th>Company/Institute</th>
<th>Salary Range (₹)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>Microsoft, Adobe, Schlumberger, HUL, Reliance Industries, Goldman Sachs, Tata Steel, Qualcomm, Cisco, Texas Instruments, Shell, Deloitte, Credit Suisse, M&amp;M</td>
<td>₹ 8-18 lakh</td>
</tr>
</tbody>
</table>

More PPOs likely this year

<table>
<thead>
<tr>
<th>Institute</th>
<th>No. of PPOs this year</th>
<th>Total offers last year</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>IIT Roorkee</td>
<td>34 (till Aug 25)</td>
<td>33 (till Sep 20)</td>
</tr>
<tr>
<td>IIT Kharagpur</td>
<td>50</td>
<td>60</td>
</tr>
<tr>
<td>IIT Bombay</td>
<td>25</td>
<td>50</td>
</tr>
<tr>
<td>IIT Madras</td>
<td>18</td>
<td>40</td>
</tr>
<tr>
<td>IIT Guwahati</td>
<td>20</td>
<td>30</td>
</tr>
<tr>
<td>IIT Kanpur</td>
<td>22</td>
<td>45</td>
</tr>
</tbody>
</table>

**Salary Levels Not Muted**

IIT Bombay has received 25 PPOs and more are expected to flow in over the next 2-3 months. The institute bagged 90 plus offers last year.

“We are receiving good response from the potential recruiters, but it’s too early to state that the situation is better than last year,” says a cautious Ajit Chatterjee, professor-in-charge of placement for IIT Bombay. PPOs are made to final year students from undergraduate and postgraduate degrees at the IITs from streams like mechanical engineering, electrical engineering, computer science, and applied materials amongst others. Companies like Shell, Reliance Industries and Microsoft have made multiple offers to students of IIT Madras. The Institute’s 925 students have received 18 PPOs, which include those from Credit Suisse, Mahindra & Mahindra, Adobe.

“We expect the numbers to be same as last year,” says an official from the placement department of IIT Madras. Salary levels have not been muted and anywhere between Rs 8 lakh and Rs 10 lakh is being offered to those who made a mark during their internships.

PPOs are given to students based on their performance during their internships and once accepted, a student is generally out of the placement procedure. There may be some exceptions though. While the PPO phenomenon is far more common at the IIMs, it’s also making its presence at the IITs now.

IIT Guwahati’s placement-in-charge Natesan Srinivasan says companies have become more aggressive in recruiting top talent from colleges they visit.

From July onwards the institute has received 20 PPOs and last year’s record of 30 such offers is within touching distance. Companies that have offered jobs are S&P Capital IQ, Tata Steel, Schlumberger, Microsoft, Goldman Sachs and M&M.
Navbharat Times ND 29-Aug-12
P-15

IIT में बंपर प्री-प्लेसमेंट ऑफर्स

[श्रीलाभ ही बसु देविना सेम्प्रुण्डा कोलकाता। बंगालुरु]
इकनोमिक वर्ष का ही स्टीडी स्पोर्ट्स से बढ़ रही है, लेकिन 6
पूर्वोक्त आईआईटी के शुरुआती प्री-प्लेसमेंट ऑफर्स
(पीपीओ) से लगाता है कि इस साल कंपनियों पिछले साल
से ज्यादा हाफिंग कर रहे हैं। मार्काटोफिन, हिंदुस्तान
चूनिलेव, रिलायंस इंडस्ट्रिज, गोल्डमैन सैक्स, एडोबी
और स्टूडियो जैसी विद्युत कंपनियां अपने साल पास होने
बाला स्टूडियो को अब
tक 170 पीपीओ दे
चुकी है। लग रहा है
कि 6 आईआईटी में
पिछले साल के
मुकाबले इस साल
ज्यादा पीपीओ मिलेंगे।
पीपीओ की शुरुआत
अक्सर जुलाई-अगस्त
से होती है। बड़े
इंडोनेशियन कंपनियों में
ये अक्टूबर-नवंबर तक
लगते है।
फाइनल
प्लेसमेंट दिसंबर से
शुरू होता है और ये अगले साल जुन तक चल सकता है।
खड़गपुर सबसे पुराना आईआईटी है। इसे इस साल अब तक
50 पीपीओ मिल चुके हैं। पिछले साल इसे 60 प्री-प्लेसमेंट
ऑफर मिले थे। स्टूडियो एशिया, माइक्रोसॉफ्ट, ट्राइमो्थस्ट, डा
टा स्टॉट, कलाकृति, एयरपोर्ट, गोल्डमैन सैक्स, सिक्स, तेकस
डा इंडस्ट्रिज और रिलायंस इंडस्ट्रिज ने आईआईटी
खड़गपुर के 800 स्टूडियो में से इन्हें चुना है। यह जानकारी
इंडियानुक्त के प्रोफेसर-इन-चार्ज, टेनिंग एंड प्लेसमेंट एस्स
के बारे में है। उनका कहना है कि इस साल पीपीओ 10
प्रोफेसर तक बढ़ सकते हैं।
आईआईटी के एक प्री-प्लेसमेंट ऑफरर ने नाम नहीं छापने
को शर्त पर बताया, ‘कंपनियों को इकनोमिक के रीकॉर्ड करने
की अप्रियता है और उसके लिए वे पहले से ही तैयार हैं। वे
आईआईटी से हाफिंग कर रहे हैं, जिससे अक्सर प्रोफेसरले
उन्हें गंवाने न पड़े।’ आईआईटी रूडकी को इस साल पिछले
साल के 33 से ज्यादा पीपीओ मिल चुके हैं। अब तक उसे 34
पीपीओ मिले हैं और नवंबर तक संख्या और लगने की
उम्मीद है। कुछ कंपनियों ने इस साल पिछले साल से ज्यादा
सौर भी ऑफर की है।
इस संस्थान के प्री-प्लेसमेंट सेल्स के अधिकारियों ने यह
जानकारी दी है।
आईआईटी रूडकी
के स्टूडियो को शेल,
टेकस इंडस्ट्रिज्स,
डेर्लायट, स्टाफोर्ड,
गोल्डमैन सैक्स से
ऑफर मिले हैं।
आईआईटी बालों को
25 पीपीओ मिल चुके
है और 2-3 महीनों
में 30 और ऑफर मिलने की उम्मीद है। यहां प्री-प्लेसमेंट के
प्रोफेसर-इन-चार्ज अविभाज्त चर्चा करते हैं। यह है,
‘हमें पोटेशियल फीडबैक से अच्छा सिस्टम मिल रहा है, लेकिन
अभी यह कहना जल्दवाजी होगा कि हमारे पिछले साल से
बेहतर है।’ अंडरजुट के और पोटेशियल क्लास के फाइनल
ईप्ले के स्टूडियो को पीपीओ ऑफर किए जाते हैं। शेल,
रिलायंस इंडस्ट्रिज और माइक्रोसॉफ्ट ने आईआईटी में
कई ऑफर दिए हैं। इस स्टूडियो में 525 स्टूडियो हैं, जिनमें
30 से 18 को पीपीओ मिले हैं। यहाँ के स्टूडियो को पीपीओ देने
बालों में क्रेडिट सुहास, महिला एंड महिला और एडोबी जैसी
कंपनियों भी शामिल हैं।
Few girls in IIT, more in other engg courses

ANUBHUTI VISHNOI
NEW DELHI, AUGUST 27

THE Kota coaching factor still plays a key role in the IITs' admission process, girls still opt less for these 15 institutes than for engineering courses elsewhere, and state school boards send the most students to IITs, according to an analysis of the patterns in the Joint Entrance Examination results of 2012.

The analysis, presented today at the meeting of the Joint Admission Board, found that girls comprise a mere 10 per cent of admissions to the 15 IITs after cracking JEE but 30-40 per cent in other engineering institutes, including several prestigious ones.

An IIT professor says the coaching industry is a key factor in the current JEE system; most parents prefer not to send their daughters to coaching classes at far-flung Kota or Hyderabad.

The analysis, conducted by the IITs, also examined the general student profile and found it is once again the middle class and urban India that dominates JEE. Jaipur and Hyderabad top the list with their dominant coaching culture, followed by Delhi; Kanpur, Lucknow and Allahabad too are in the top 10 cities sending students to IITs.

Of students who cracked JEE, 40 per cent came from CBSE; of those who reached the IITs, 50 per cent came from state boards. The ICSE and other school boards had poor representation. Prof S G Dhande, director of IIT Kanpur, says the analysis only reinforces the need to reinvent the JEE. “It is clear that coaching is a very real factor giving students an extra edge at clearing JEE. That fewer girls make it is also linked to this factor,” Prof Dhande said.
आईआईटी में लड़कियां

आईआईटी जिसे जुड़ी दो खबरें इनमें दाखिला लेने का सपना देखने वाले सुधार डालने का दिल खुश करते वाली है। एक तो यह कि एडमिशन टेस्ट को लेकर महिलाओं लंबा खिचा विवाद अब खत्म हो चुका है। आईआईटीज ट्रिपल आईआईटी और एनआईआईटी में एडमिशन के लिए साझा टेस्ट जेईई मैंस और खाली आईआईटीज के लिए होने वाले जेईई एडवार्ड का दाखिला धोपित हो चुका है। अगले साल के लिए ये दोनों स्थान अगले जनवरी 2013 को आयोजित किये जाएंगे। इन दोनों परीक्षाओं को एक पर लेने की योजना पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय आज भी काम कर रहा है। किसी न किसी दिन इसे अमल में ला देने की उम्मीद भी उसे है, लेकिन प्रधानमंत्री की सलाह पर अपने कुछ मालिक तक उस दिन का इंतजार करने के लिए यह तैयार है। आईआईटी जिसे जुड़ी दूसरी खुशखबरी यह है कि पूरी दुनिया में जारी डबल डिप रिसर्च की चार बनी रही थी। अगले साल के तीन अपने अपने जितनी खानों का ऑफर लेटर दिये हैं, उनकी संख्या पिछले साल नवंबर तक की गई निजीकरण के कीर्ति पहुँच रही है। लेकिन इन प्रतिवादित संस्थाओं से जुड़ी दूसरी खबर थोड़ी चिंताजनक है और इसके साथ इनके मैनेजमेंट को अपने यहाँ अधिक विवाद उठाना चाहिए। आईआईटी कानपुर के एक साधन से पता चला है कि आईआईटी में दाखिला लेने वाली लड़कियों का प्रतिशत आज भी दस से ऊपर नहीं जा पा रहा है, जबकि बाकी तीनों संस्थाओं में उनकी हिस्सेदारी तीन से चार के प्रतिशत तक घूम चुकी है। इसका अचानक यह सब से बड़ा कारण कि देश में देश के सबसे बड़े कोचिंग अड्डे आ गए हैं। मामला बिलबुल साफ है। भारत का महत्वपूर्ण विभाग दुनिया लड़कों को असेट और लड़कियों को लाएलिटी मान कर चल रहा है, उसका यह भेदभाव दो-दोनों लाख रुपये कोचिंग पर होने के मामले में और ज्यादा मुश्किल हो जाता है। सर्वे के इस दोनों नतीजों से यह निफर निकलता बिलबुल वालिश है कि भारत के प्राइम औद्योगिक संस्थान इस देश का सबसे अधिक टैलेंट तब तक हासिल नहीं कर पाएंगे, जब तक वे अपने यहाँ एडमिशन के लिए कोचिंग पर निभाता खत्म करने की कोई व्यवस्था नहीं कर लेते।
Slowdown skips IIMs

Pre-placement offers point to a buoyant hiring season

KALPANA PATHAK & VINAY UMARJI
Mumbai/Ahmedabad, 28 August

Joel Xavier, chairperson of placements at the Indian Institute of Management (IIM) Udaipur, is upbeat. His institute will be conducting its maiden summer placements this year and the scorecard is 100 per cent. "Twenty-six companies have picked up the entire 57-strong batch for summer internships. Two companies have already made a job offer to our students. This means we will have a good year even with regard to the final placements," said Xavier.

Older peer, IIM Bangalore, is no less bullish, as it has already received over 40 pre-placement offers (PPOs) compared to a total of 93 at the end of last year. Such offers at the institute keep trickling in till December, which is when lateral placements begin.

Almost all IIMs say despite a muted economy, the final PPO tally will beat last year's records

Almost all IIMs say despite a muted economy, the final PPO tally will beat last year's records, which has around two PPOs in hand, is focusing on having international placements on campus and is also inviting more consultancy firms. "A lot of consulting firms largely restrict themselves to older IIMs. This year we have approached them to recruit from our campuses too and so far the response is positive," said Sanjeev Parashar, placement chairperson, IIM Raipur. IIM Raipur has a batch size of 48 students to place this year.

Devi Singh, director of IIM Lucknow, said the institute had got a positive response from its recruiters as well as students who returned from summer internships. Lucknow saw a nearly 419-strong batch participating in summer internships this year. Godwin Tennyson, placements chairperson at IIM Trichy, says, "The market is volatile for sure but demand will certainly be there." PPOs at IIM Trichy will keep flowing in till February 2013.

Recruiters are equally bullish. Boston Consulting Group (BCG), which emerged among the topmost recruiters from the IIMs last year, has this year extended 27 PPO offers to students who interned with it in the summer of 2012. "These candidates will join BCG in 2013. Of these, 26 are from the IIMs while one is from Harvard Business School," said Ravi Srivastava, Partner & Director, BCG.

At Mumbai-based RPG group, 35 students interned during the summer from 10 B-schools this year and the company says it looks forward to an aggressive recruitment season.
Delhi scientist wins top award for aiding Bengal farmers

Charu Sudhan Kasturi
charu.kasturi@hindustantimes.com

NEW DELHI: A Delhi-based scientist, Aditi Mukherji has won arguably the world's most prestigious award for young researchers in food and water management, named after the father of India's Green Revolution Norman Borlaug.

The World Food Prize Foundation, started by Borlaug, has picked Mukherji for the first-ever Norman Borlaug Award in Field Research and Application for her work in transforming access to water for thousands of farmers in West Bengal.

The award comes with $10,000 prize, and will be formally presented to Mukherji on October 17 in Des Moines, Iowa, US.

"The research I worked on helped remove barriers in water access for farmers in West Bengal," Mukherji told HT from Stockholm, Sweden, where the award was announced on Tuesday.

Mukherji, 37, is a senior researcher at the Delhi office of the International Water Management Institute (IWMI).

As alumnus of Presidency College (Kolkata), JNU (Delhi), she completed her PhD at the University of Cambridge.

The Borlaug Award is restricted to scientists under 40.

Though Bengal receives significantly greater rainfall than Haryana or Punjab, and has a higher water table than northern states, its agricultural productivity has been lower for several years now: an apparent contradiction that intrigued Mukherji.

Mukherji showed that antiquated government rules were spawning corruption and barring farmers from efficiently accessing water. Her research forced the government to remove these barriers.

Mukherji surveyed over 4,000 groundwater users and found that a West Bengal policy requiring farmers to obtain permits before using power-driven tube wells was to blame.

The permit system spawned corruption, forcing farmers to stick with inefficient diesel.

Her research forced West Bengal government to scrap rule requiring permits.
Coaching centres’ dominance in IIT admissions has been acknowledged by the IITs themselves. A look at how such centres for various courses are flourishing

Land of latex now dons an additional identity

FLIPKART, AUGUST 28

For several years, Khonka in central Krasnoyarsk, known as the land of latex to the world and its students, has been noted for its unique contribution to the field of education. The town, which is home to a number of schools and universities, has always been known for its innovative approach to teaching and learning. This year, however, the town has taken its education to a new level by becoming the first in the world to implement a latex-based education system.

In the town of Khonka, students are now using latex as the primary medium for learning. The latex is used to create digital tablets and notebooks, which are then used for teaching and learning purposes. The latex is also used to create 3D models and simulations, which help students visualize and understand complex concepts.

"This is a revolutionary step in the world of education," said Professor Ivanov, a leading education expert in the town. "The latex system has been developed in collaboration with top universities and research institutions around the world. We believe that this system will revolutionize the way we teach and learn in the future."
Socio-economic status of Indian, Chinese students going abroad differs, says study

Aarti Dhar

NEW DELHI: Financial resources of prospective students are one of the major driving forces of outward mobility from China and India, though the U.S.-bound student populations of the two largest Asian countries appear to differ significantly by socio-economic background.

A study shows that while 60 per cent of Chinese students had adequate financial resources to afford overseas education, the percentage of Indian respondents was only 27.

“The higher socio-economic status of Chinese applicants is also manifested in their previous overseas exposure: one out of four Chinese applying to schools in the U.S. had lived, studied or worked abroad prior to their application. By contrast, only one out of 10 Indian respondents had previously spent time overseas. Patterns of employment status and financial independence of parents were also different between Chinese and Indian respondents,” the survey titled ‘Not all International Students are the Same: understanding segments, mapping behaviour,’ brought out by education portal World Education Services said. Besides maintaining a relevant and interactive social media presence, higher educational institutions need to find the most appropriate platforms for reaching out to target student segments.

The survey found that only 22 per cent of Chinese social media users log in to U.S.-based social media platforms (Facebook and Twitter) on a daily or weekly basis, against 88 per cent of Indian students.

At the same time, 80 per cent of Chinese social media users check their accounts on Chinese platforms on a daily or weekly basis, while only 24 per cent of Indian respondents do so.

Online survey

The report presents insights from an online survey of nearly 1,600 prospective students from 115 countries. The study design was to ascertain how U.S.-bound international students differ in terms of their academic preparedness and financial resources and what information do international applicants need when researching colleges and universities as also what channels they use to get the information they need, among other things.

With more than 7,000,000 Chinese and Indian students enrolled in higher education institutions abroad, one in three of every globally mobile student is from these two countries.

China surpassed India as the leading source country for the U.S. in 2009-2010, while witnessing massive growth at the undergraduate level. India is projected to experience similar patterns from 2015 onwards.

Differences in socio-economic status between Chinese and Indian applicants result in different priorities regarding information needs: Obtaining information about tuition and living costs, as well as financial aid opportunities was very important for respondents from India with 46 per cent selecting “tuition and living costs” and 38 per cent selecting “financial aid opportunity” among their top three information needs.

Financial issues are clearly not as important for respondents from China as only 22 per cent ranking information on tuition and availability of financial needs.

Attending a U.S. college or university is seen by both Chinese and Indian applicants as an investment for future high-paying jobs. This is reflected in their interest in information about career prospects after graduation - about half of Chinese (55 per cent) and Indian (46 per cent) respondents selected career prospects among their top information needs.

“If American higher education institutions wish to maximise the effectiveness of their outreach to applicants from China or India, they should highlight the aspects of their programs that enhance their graduates career prospects,” the report recommends.

Information on programme content and course offerings also ranked highly among the top three information needs of both Chinese and Indian respondents (46 and 45 per cent respectively).

Higher educational institutional appeal to applicants from these countries by highlighting unique course offerings and making information on programme content more pertinent on website, the report suggests.
Govt amends Central Universities Act

New Delhi: The government on Tuesday cleared a proposal to bring an amendment to the Central Universities Act for enabling setting up of two central varsities in Bihar. The cabinet approved amending the Act after the human resource development ministry took a decision to set up a central university in Motihari in addition to the one already proposed in Gaya.

This is only the second exception made by the government for setting up two central universities in a particular state, the first being Jammu and Kashmir. The Act has a provision for setting two central universities in Jammu and Kashmir as a special case. The government’s decision for setting up a central university in Motihari had put an end a prolonged slugfest over the issue. PTI
New Delhi: The DU Teachers' Association went ahead with their daylong demonstration and 24-hour hunger strike on Tuesday despite the university administration's 'no work no pay' threat. However, the classes remained unaffected as most teachers turned up for duty too.

Meanwhile, the agitation received a boost when Delhi education minister Kiran Walia joined the protest at around 1pm and criticized the DU administration for its "indifference". While the demonstration came to an end on Tuesday over 50 teachers continued the 24-hour hunger strike, which will end at 9 am on Wednesday.

Despite the rough weather DUTA members turned up for the protest in front of the Vice Regal Lodge, where the Delhi University Colleges and Karlmarks Union (DUCKU) has already been demonstrating. DUTA executive member Abha D Habib said that classes in many colleges were affected and the colleges managed with ad-hoc teachers. "It has been a successful strike and majority of the permanent teachers joined the strike," she said.

But DU administration as well as sources from different colleges said that classes remained unaffected. "Attendance among students and teachers were normal. It is unfortunate that DUTA is calling for disruption of academic activities, while the administration is working overtime to resolve most of the issues. Regarding the filling up of the 4,000-odd teaching positions, we are in talks with the UGC and is in the final stage and very soon recruitments will start," said the dean of colleges, Sudheesh Pachauri.

The highlight of the protest remains the presence of the newly appointed education minister and a one-time DUTA activist, Walia. But the DU officials questioned her presence. "She is a minister and by addressing the striking teachers and disrupting classes she is sending a wrong signal," said an official.